भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2750

दिनांक 19 दिसम्बर, 2023 के लिए प्रश्न

नि:शुल्क पशु उपचार केन्द्र

2750. श्री श्याम सिंह यादव:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में नि:शुल्क पशु उपचार केन्द्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार और अधिक संख्या में नि:शुल्क पशु उपचार केन्द्र स्थापित करने के लिए कोई कदम उठा रही है;

(ग) यदि हां, तो इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(घ) पशुओं में व्याप्त वर्तमान सामान्य बीमारियां कौन-कौन सी हैं; और

(ङ) उपरोक्त बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को कौन-कौन से टीके लगाए जा रहे हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख): पशुपालन राज्य का विषय है और निःशुल्क इलाज सहित गोपशुओं का उपचार राज्य सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है। राज्यों से प्राप्त सूचना के अनुसार, राज्य पशु चिकित्सा अस्पतालों/औषधालयों में गोपशुओं का निःशुल्क इलाज किया जाता है। निःशुल्क पशु उपचार केन्द्र स्थापित करने की कोई केन्द्रीय योजना नहीं है। हालांकि, पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों-मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (ईएसवीएचडी-एमवीयू) की स्थापना और सुदृढ़ीकरण घटक के तहत पशुपालन और डेयरी विभाग मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) के द्वारा टोल फ्री नंबर (1962) के माध्यम से किसानों के द्वार पर पशु चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन सेवाओं में रोग निदान, उपचार, टीकाकरण, छोटे सर्जिकल हस्तक्षेप, दृश्य-श्रव्य सहायता और विस्तार सेवाएं शामिल हैं।

(ग) : प्रश्न नहीं उठता

(घ) और (ड़): गोपशुओं में प्रचलित आम रोग खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस और लम्पी त्वचा रोग (एलएसडी) हैं। विभाग निवारक टीकाकरण के माध्यम से गोपशुओं के उपरोक्त रोगों की रोकथाम के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है और वर्ष 2023 (जनवरी, 2023 से 13 दिसंबर 2023 तक) के दौरान उपरोक्त रोगों की रोकथाम के लिए गोपशुओं को लगाए गए टीकों का विवरण इस प्रकार है।

रोग का नाम	लगाए गए टीके (खुराक, करोड़ में)
एफएमडी	13.01
ब्रुसेलोसिस	2.71
एलएसडी	9.86

****